लोमड़ी और कौवा – Short Story In Hindi With Moral

By - storiesforkidsbedtime.com

एक समय की बात है एक भूखा कौवा खाने की तलाश में यहां-वहां भटक रहा था तभी उसे एक सड़क पर एक रोटी मिली। उसने उस रोटी को लिया और दूर जंगल में जाकर एक पेड़ पर बैठ गई कौवा। जब वह रोटी खाने लगा उसी वक्त एक लोमड़ी उसके पास आई।

लोमड़ी को भी भूख लगी थी और उसने कौवा के मुंह में रोटी देखकर यह सोचा कि उस रोटी को वह खाएगी। यह विचार कर उस लोमड़ी ने कौवा से कहा, “अरे कौवा! आज तुम तो बहुत ही अच्छे दिख रहे हो और मैंने सुना है की तुम बहुत अच्छा गाते हो। क्या तुम मुझे गाकर सुनाओगे? मैं तुम्हारा गाना सुनने के लिए तरस रहा हूं। “

कौवा अपनी तारीफ सुनकर बहुत ही खुश हुआ और वह गाना गाने के लिए सोचने लगा। लेकिन गाना गाने से पहले उसके दिमाग में विचार आया कि अगर वह गाना गाएगा तो उसके मुंह की रोटी नीचे गिर जाएगी और फिर लोमड़ी उसे खा जाएगी। इसलिए कौवे ने रोटी को अपने पैर के नीचे दबाया और गाना गाने लगा।

कौवे के ऐसा करने पर लोमड़ी को समझ में आ गया कि उसकी तरकीब काम नहीं कर रही है तो उसने दूसरी तरकीब आज़माई। उसने कौवे से कहा, “अरे वाह कितना मधुर गाना गाती हो। मैंने सुना है कि तुम नाचते भी बहुत अच्छा हो। क्या तुम मुझे नाच कर दिखाओगे ?”

Read More

अपनी इतनी ज़्यादा तारीफ़ सुनकर कौवे को और भी ज़्यादा खुसी हुई। ख़ुशी के मारे वाह यह भी भूल गया की उसके पैर के नीचे रोटी है। कौवा नाचने लगा। जैसे की कौवे ने अपने दोनों पैर उठाए रोटी नीचे गई। तुरंत ही लोमड़ी उस रोटी को अपने मुँह में दबाकर आगे चला गया।

अब कौवे को समझ आ गया की लोमड़ी उसे बेवकूफ बना रही थी। इसीलिए कहते है की अपनी झूटी तारीफ़ सुनकर हमें खुश नहीं होना चाहिए।